**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या : 82**

**28 जुलाई, 2015 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण**

**\*82. श्री टी॰ रतिनावेलः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत में यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण में फैटी लिवर’ की एक असामान्य बाध सामने आ रही है;

(ख) क्या यह भी सच है कि जीवित प्रदाताओं के पचास प्रतिशत यकृत (लिवर) और शवों से प्राप्त अस्सी प्रतिशत यकृत (लिवर) इसलिए अस्वीकृत कर दिए जाते हैं क्योंकि उनमें अत्यधिक वसा का जमाव होता है;

(ग) क्या बढ़ते हुए मोटापे, मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम के कारण चिकित्सकों को यह लगता है कि अस्वीकृति की यह दर और अधिक बढ़ सकती है; और

(घ) क्या यह भी सच है कि भारत में यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री **(**श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) से (घ) : विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

--

राज्य सभा में 28 जुलाई, 2015 को पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या : 82**\*** के उत्तर में उल्लिखित विवरण

गैर-अल्‍कोहॉलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) की व्‍याप्‍तता को लीवर में वसा के संचय के कारण लीवर प्रत्यारोपण करने से मना करने का ज्ञात कारण माना जाता है। भारत में, ज्यादातर लीवर प्रत्यारोपण जीवित व्यक्ति से संबंधित है, जहां नए कार्य के रूप में प्रयुक्‍त लीवर के हिस्‍सा जीवित व्‍यक्ति से लिया जाता है। प्रत्यारोपण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लीवर की खराब गुणवत्ता से प्रतिकूल प्रत्यारोपण परिणाम का खतरा बढ़ने के साथ कमजोर सुधार हो सकता है।

हांलाकि प्रत्यारोपण मना करने के कारणों का केन्द्र तौर पर डेटा एकत्र नहीं किया जाता है, फिर भी लीवर और पित्त विज्ञान संस्‍थान (आईएलबीएस), नई दिल्ली, से प्राप्त जानकारी के अनुसार, फैटी लीवर के परिणामस्‍वरूप लगभग 25-30% जीवित डोनरों से लीवर लेने से मना कर दिया जाता है। आईएलबीएस ने यह भी सूचित किया है कि अंतर्राष्‍ट्रीय अध्‍ययनों से यह पता चला है कि कैडेवर डोनरों से मना किए गए सभी लीवरों में से 25-30% लीवरों को फैटी लीवर होने के कारण मना किया गया है।

यह भी माना गया है कि मोटापा, मधुमेह और चयापचय (मेटाबॉलिक) जोखिम के कारकों में वृद्धि के साथ एनएएफएलडी की व्याप्‍तता में वृद्धि होने की संभावना है जिससे जीवित डोनरों से अंगों को लेने से मना करने की दर में और अधिक वृद्धि हो सकती है।

पिछले कुछ वर्षों से भारत में लीवर प्रत्यारोपण में वृद्धि हुई है। भारत में विगत वर्ष में लीवर प्रत्यारोपण की अनुमानित संख्या 1400 थी। हालांकि, देश में लीवर प्रत्यारोपण की जरूरत वाले मरीजों की संख्या काफी ज्यादा होने की संभावना है।

\*\*\*\*